ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दिनांक : 06/03/2026

द्वितीय सत्र- सत्रीय कार्य की सूचना

एम.ए. इतिहास (सत्र- 2025-27) दूर शिक्षा

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। पाठ्यसामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें एवं अपने शब्दों में लिख सकें, इसका तात्पर्य यह है कि निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रूप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार करके अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विद्वानों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

1. एम.ए., इतिहास (दूर शिक्षा) (सत्र- 2025-27) **द्वितीय सेमेस्टर** के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नपत्र के अनुसार **स्वहस्ताक्षर** में प्रश्नों के उत्तर A-4, साईज के पृष्ठ पर लिखकर आपको आवंटित किए गए अध्ययन केंद्र (Study Centre) पर हार्ड कॉपी में दिनांक 03/04/2026 तक जमा करना सुनिश्चित करें। **सीधे दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में सत्रीय कार्य जमा नहीं करना है।**
2. प्रत्येक विषय के सत्रीय कार्य के प्रथम (पहले) पृष्ठ पर निम्नांकित जानकारी आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें।

    1. छात्र का नाम : .....
    2. नामांकन संख्या : .....
    3. अध्ययन केंद्र का नाम : .....
    4. विषय/प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड संख्या : .....
    5. सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने का दिनांक : .....
    6. छात्र के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....
    7. अध्ययन केंद्र में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....

पाठ्यक्रम संयोजक
डॉ. परिमल प्रियदर्शी
अनुसंधान अधिकारी

प्रथम पृष्ठ का प्रारूप

(प्रत्येक विषयों के सत्रीय कार्य के प्रथम पृष्ठ पर अनिवार्य)

1. छात्र का नाम : .....
2. नामांकन संख्या : .....
3. अध्ययन केंद्र का नाम : .....
4. विषय/प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड संख्या : .....
5. सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने का दिनांक : .....
6. छात्र के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....
7. अध्ययन केंद्र में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -06 मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-1)

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) चोल साम्राज्य का वर्णन कीजिए एवं चोल साम्राज्य में स्थानीय शासन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (2) चाहमान एवं गहड़वाल वंश पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न संख्या (3) उत्तर भारत में त्रिपक्षीय संघर्ष (राष्ट्रकूट, पाल एवं गुर्जर-प्रतिहार) के कारणों एवं घटना क्रम का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) "मुहम्मद बिन तुगलक पगला बादशाह था।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या (5) राष्ट्रकूट वंश पर एक लेख लिखिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -07 मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-2)

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) मराठों के उत्थान में छत्रपति शिवाजी महाराज के योगदान का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (2) पेशवाओं के नेतृत्व में मराठा शक्ति के विस्तार पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (3) बाबर के आक्रमण के पूर्व उत्तरी-भारत की राजनीतिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) मुगलकालीन साहित्य व संस्कृति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (5) अकबर की राजपूत तथा धार्मिक नीति पर प्रकाश डालिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -08 आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-1)

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) यूरोप में हुई 'भौगौलिक खोजों' में पुर्तगाल और स्पेन के प्रयासों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (2) फ्रांस की राज्य क्रांति के कारण एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (3) नेपोलियन के उदय एवं पतन का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) जर्मनी के एकीकरण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (5) अमेरिका के स्वतंत्रता संग्राम पर एक लेख लिखिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -09 आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-2)

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) द्वितीय विश्व युद्ध के कारण एवं परिणामों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (2) इटली में मुसोलिनी के उदय एवं पतन की चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (3) संयुक्त राष्ट्र संघ के गठन एवं उसके कार्यों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) शीत युद्ध से आप क्या समझते हैं। शीतयुद्ध काल की घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (5) अरब -इजराइल संबंध का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -10 भारतीय प्रवासन एवं डायस्पोरा : समुद्रपारीय भारतीय समुदाय

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) दक्षिण अफ्रीका के भारतवंशीय/भारतीय डायस्पोरा के राजनीतिक संघर्ष और उनकी उपलब्धियों पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न संख्या (2) आधुनिक मॉरीशस के निर्माण में भारत वंशियों के योगदान को विस्तार से बताइए।

प्रश्न संख्या (3) प्राचीन एवं मध्यकाल में भारत से हानेवाले समुद्रपारीय प्रवासन के बारे में विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) औपनिवेशिक काल में भारत से होने वाले समुद्रपारीय प्रवासन की चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (5) भारतीय डायस्पोरा के प्रति भारतीय राज्य की नीति पर एक निबंध लिखिए।

पाठ्यक्रम संयोजक